॥ आ दर्श दिखा दे गुरुदेव । तुझे तेरे लाल बुलाते है ॥

तुझे रो रो पुकारे मेरे नैन । तुझे तेरे लाल बुलाते है ॥
आ दर्श दिखा दे गुरुदेव ...

आंखो के आसू सुख चूके है अब तो दर्श दिखा दे ।
कब से खड्े दर पे तेरे मन की प्यास बुझा दे ॥
तेरी लीला निराली गुरुदेव । तुझे तेरे लाल बुलाते है ॥
आ दर्श दिखा दे गुरुदेव ...

बीच भंवर में नैया पडी है आकर तू पार लगा दे ।
तेरे सिवा कोई नही है । आकर गले से लगा दे ॥
क्यो देर लगाते गुरुदेव । तुझे तेरे लाल बुलाते है ॥
आ दर्श दिखा दे गुरुदेव ...

डूब रहा है उगता यह सुरज । गम की बदरिया है छाई ॥
उजड् गई बगिया जीवन की । मन की कली मुरझाई ॥
करे विनति यह बालक आज । तुझे तेरे लाल बुलाते है ॥
आ दर्श दिखा दे गुरुदेव ...

वैसे तो तुम हो मन में हमारे । आंखे नही मानती है ॥
एक पल गुरु से यह अब बिछुड कर । रहना नही चाहती है ॥
बरबस बरसाये नीर । तुझे तेरे लाल बुलाते है ॥
आ दर्श दिखा दे गुरुदेव ...

Send corrections to hariomgroup@gmail.com